**AMAR UJALA MY CITY PAGE 5**

## अभिनव गुप्त म्यूरल वॉल का अनावरण

लखनऊ। लविवि के अभिनव गुप्त फैकल्टी ऑफ एस्थेटिक्स एंड शैव फिलॉसफी भवन में बृहस्पतिवार को अभिनव गुप्त म्यूरल वॉल का अनावरण किया गया। अखिल भारतीय परामर्श मंडल के सदस्य सुरेश भाई सोनी और कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इसका अनावरण किया। संस्थान की समन्वयक डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने भित्त चित्र की संरचना व स्वरूप पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रो. राकेश चंद्रा, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. राकेश द्विवेदी आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

**HINDUSTAN PAGE 6**

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनवगुप्त फैकल्टी ऑफ एस्थेटिक्स एण्ड शैव फिलासफी भवन में गुरुवार को अभिनवगुप्त म्यूरल वॉल का अनावरण करते कुलपति।

## लवि : पीजी कोर्सों में अभिलेख सत्यापन आज और कल

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। शुक्रवार से 11 विषयों में अभिलेख सत्यापन होगा। इन विषयों में सीट पाने वाले अभ्यर्थियों को संबंधित विभाग में समय से पहुंचना होगा। इसका नोटिफिकेशन वेबसाइट पर अपलोड है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि एमकाम एप्लाइड इकोनामिक्स, एमएससी बाटनी/माइक्रोबायोलाजी, एमकाम कामर्स, एमए इकोनामिक्स, एमए एजुकेशन, एमए अंग्रेजी, एमए होम साइंस, एमए जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, एलएलबी, एमए सोशियोलाजी और एमए/एमएससी स्टैटिस्टिक्स, बायोस्टैटिस्टिक्स विषय में अभिलेख सत्यापन शुक्रवार एवं शनिवार को होगा। इन विषयों में जिनको सीट मिल चुकी है और उन्होंने फीस जमा कर दी है, ऐसे अभ्यर्थियों को अपने आवंटन पत्र व सभी मूल अभिलेखों, अंकपत्र तथा एक स्वप्रमाणित प्रति के साथ निर्धारित तिथि पर संबंधित विभागों में सत्यापन के लिए पहुंचना होगा।

## लवि : अभिनव गुप्त म्यूरल वाल का हुआ अनावरण

लवि के अभिनव गुप्त फैकल्टी आफ ऐस्थेटिक्स एंड शैव फिलासफी भवन में अखिल भारतीय परामर्श मंडल के सदस्य सुरेश भाई सोनी एवं कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अभिनव गुप्त म्यूरल वाल का अनावरण किया ● सौजन्य से लवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनव गुप्त फैकल्टी आफ ऐस्थेटिक्स एंड शैव फिलासफी भवन में शुक्रवार को अखिल भारतीय परामर्श मंडल के सदस्य सुरेश भाई सोनी एवं कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अभिनव गुप्त म्यूरल वाल का अनावरण किया। अभिनव गुप्त संस्थान की स्थापना लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कान्ति चन्द्र पांडेय ने यूजीसी के सेंटर आफ एडवांस्ड स्टडी के रूप में पांच अगस्त 1968 को की थी। अभिनव गुप्त संस्थान की कोआर्डिनेटर डा. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने भित्ति-चित्र की संरचना और स्वरूप की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो. राकेश चन्द्रा, प्रो. पूनम टण्डन, प्रो. राकेश द्विवेदी, डा. केया पांडे, डा. ओपी शुक्ला, प्रो. संगीता साहू, डा. राजेश्वर प्रसाद यादव, डा. अलका मिश्रा व विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

**JAGRAN CITY PAGE III**

## हाईवे को जोड़ने वाली शहरी सड़कों पर बढ़ा 70 गुणा प्रदूषण

अखिल सक्सेना ● लखनऊ

लखनऊ व आसपास पांच हाईवे को जोड़ने वाली शहर की सड़कों पर पिछले 10 साल में 70 गुणा प्रदूषण बढ़ गया है। इसमें भारी मात्रा में हैवीमेटल्स पाए गए हैं जो वहां रहने वालों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रोफेसर अजय कुमार आर्या के निर्देशन में शोध छात्रा डा. विधु गुप्ता के रिसर्च में यह खुलासा हुआ है। पांच साल से चल रहे इस शोध में हाईवे को जोड़ने वाले वाली शहर की सड़कों के किनारे से धूल के कण (रोड डस्ट) के चरणबद्ध तरीके से 100 नमूने लिए गए थे। इनमें से 64 नमूनों पर शोध किया गया। इसी महीने यह शोध स्विजरलैंड के इंटरनेशनल जरनल आफ इन्वायरमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित हुआ है। इसका इंम्पैक्ट फैक्टर भी 4.61 है।

लवि के भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रो. अजय कुमार आर्या ने बताया कि हाईवे के किनारे मौजूद हैवीमेटल्स को लेकर वर्ष 2011 से शोध कर रहे हैं। वर्ष 2016 में एक शोध हो चुका है। उसके बाद 2016 से 2020 तक दूसरा शोध हुआ है। इसमें विभाग की शोधार्थी एवं वर्तमान में हेमवंती नंदन बहुगुणा यूनिवर्सिटी गढ़वाल में इन्वायरमेंटल साइंस में सहायक प्रोफेसर तथा उनकी टीम शामिल रही।

**यहां से लिए गए नमूने** : शोध के लिए सुलतानपुर रोड, रायबरेली रोड, सीतापुर रोड, कानपुर रोड व फैजाबाद रोड को जोड़ने वाली लखनऊ शहर की सड़कों जैसे कृष्णानगर, बंथरा, चिनहट, अमौसी, उतरेटिया, मलिहाबाद, सरोजनीनगर, पालीटेक्निक चौराहा, बर्लिंग्टन चौराहा, परिवर्तन चौक, इंजीनियरिंग कालेज चौराहा, पत्रकारपुरम, तालकटोरा, बालागंज, दुबग्गा सहित कई जगह सड़कों के दोनों ओर से 20 मीटर, इंडस्ट्रियल एरिया, उच्च यातायात वाले क्षेत्रों से पर्टिकुलेट मैटर (पीएम) 63 माइक्रो मीटर से छोटे रोड डस्ट (धूल के कण) के नमूने लिए। यह नमूने प्री-मानसून और मानसून के बाद के हैं। इसमें प्रमुख हैवी मैटल्स जैसे आयरन, कैडमियम, लेड, जिंक, निकिल, मैगनीज का इंडक्टिविली कपल्ड प्लाज्मा मास्पेक्ट्रोमीटर (आइसीपीएमएस) उपकरण से अध्ययन किया गया। पता चला कि शहरी सड़कों की धूल जिंक, लेड और निकिल से भरी हैं, जिससे धूल की गुणवत्ता बिगड़ती है। इसमें लेड, निकिल और आर्सेनिक घातक है।

प्रोफेसर अजय कुमार आर्या

शोधार्थी डा. विधु गुप्ता

**100** नमूने लिए गए थे, जिनमें 64 पर शोध हुआ। स्विटजरलैंड के जर्नल में प्रकाशित हुआ शोध

### इतने छोटे कण कि सांस लेने से ही शरीर में पहुंच जाते

शोध के मुताबिक, प्रदूषित हैवी मेटल्स ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड और वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएसओ) के मानक से भी अधिक पाए गए हैं। अध्ययन से पता चला है कि रोड के दोनों ओर की मिट्टी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। जो लोग इनके आसपास रहते या खेती करते हैं, किसी न किसी माध्यम से यह हैवी मैटल्स उनके शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। यह कण शरीर की त्वचा और फेफड़े के कैंसर के साथ-साथ सांस लेने की समस्या पैदा कर सकते हैं। अधिक गाड़ियों की वजह से धूल के कण बढ़ना स्वाभाविक है। यह इस क्षेत्रों में रहने वालों के स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है।

**i-NEXT PAGE 5**

# आज और कल होगी डाक्यूमेंट्स की जांच

### एलयू में 11 विषयों में सीट आवंटन वालों को दिया गया मौका

LUCKNOW (27 OCT): लखनऊ विश्वविद्यालय के परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है. शुक्रवार से 11 विषयों में अभिलेख सत्यापन होगा. इन विषयों में सीट पाने वाले अभ्यर्थियों को संबंधित विभाग में समय से पहुंचना होगा. इसका नोटिफिकेशन वेबसाइट पर अपलोड है.

### सभी डाक्यूमेंट्स लेकर आएं

प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि एमकाम एप्लाइड इकोनामिक्स, एमएससी बाटनी/माइक्रोबायोलाजी, एमकाम कामर्स, एमए इकोनामिक्स, एमए एजुकेशन, एमए अंग्रेजी, एमए होम साइंस, एमए जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, एलएलबी, एमए सोशियोलाजी और एमए/एमएससी स्टैटिस्टिक्स, बायोस्टैटिस्टिक्स विषय में अभिलेख सत्यापन शुक्रवार एवं शनिवार को होगा. इन विषयों में जिनको सीट मिल चुकी है और उन्होंने फीस जमा कर दी है, ऐसे अभ्यर्थियों को अपने आवंटन पत्र व सभी मूल अभिलेखों, अंकपत्र तथा एक स्वप्रमाणित प्रति के साथ निर्धारित तिथि पर संबंधित विभागों में सत्यापन के लिए पहुंचना होगा.

### पीजी फर्स्ट सेमेस्टर की क्लास आज से शुरू

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय दीपावली की छुट्टियों के बाद शुक्रवार से खुल जाएगा. कैंपस में परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की कक्षाओं की भी शुरुआत हो जाएगी. पहले दिन एलएलएम, एमए सोशल वर्क, एमए डिफेंस स्टडीज, एमए जाग्रफी, एमए एआइएच एंड आर्कियोलाजी आदि पाठ्यक्रमों की कक्षाएं संचालित होंगी. विभागों की ओर से इसकी समय सारिणी जारी की जा चुकी है. स्टूडेंट्स को निर्देश दिए हैं कि वे समय सारिणी के अनुसार क्लास में मौजूद रहें. वहीं, बीएससी फिजिक्स प्रथम सेमेस्टर की क्लास भी शुक्रवार से शुरू होंगी. एचओडी प्रो. एनके पांडेय ने इसका विस्तृत शेड्यूल वेबसाइट पर जारी कर दिया है.

### अभिनव गुप्त म्यूरल वाल का हुआ अनावरण

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनव गुप्त फैकल्टी आफ ऐस्थेटिक्स एंड शैव फिलासफी भवन में शुक्रवार को अखिल भारतीय परामर्श मंडल के सदस्य सुरेश भाई सोनी एवं कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अभिनव गुप्त म्यूरल वाल का अनावरण किया. अभिनव गुप्त संस्थान की स्थापना लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कान्ति चन्द्र पांडेय ने यूजीसी के सेंटर आफ एडवांस्ड स्टडी के रूप में पांच अगस्त 1968 को की थी.इस अवसर पर प्रो. राकेश चन्द्रा, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. राकेश द्विवेदी, डॉ. केया पांडे, डॉ. ओपी शुक्ला, प्रो. संगीता साहू, डॉ. राजेश्वर प्रसाद यादव, डॉ. अलका मिश्रा व विद्यार्थी भी उपस्थित रहे.

**PIONEER PAGE 4**

## वैदिक मंत्रोच्चारण और पुष्पवर्षा के बीच हुआ म्यूरल वॉल का अनावरण

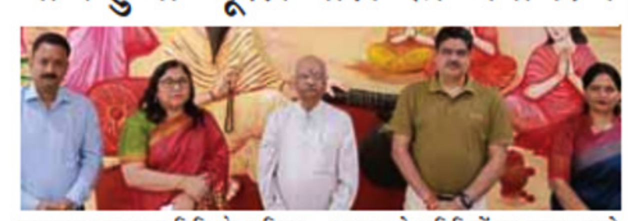

लखनऊ। लखनऊ विवि के अभिनव गुप्त फैकल्टी ऑफ ऐस्थेटिक्स एंड शैव फिलासफी भवन में गुरुवार को अभिनवगुप्त म्यूरल वॉल का अनावरण वैदिक मंत्रोच्चारण और पुष्पवर्षा के बीच अखिल भारतीय परामर्श मण्डल के सदस्य सुरेश भाई सोनी तथा कुलपति प्रो आलोक कुमार राय द्वारा किया गया। अभिनव गुप्त संस्थान की स्थापना लखनऊ विवि के प्रोफेसर कान्ति चन्द्र पाण्डेय द्वारा यूजीसी के सेन्टर आफ एडवांस्ड स्टडी के रूप में 5 अगस्त 1968 को की गयी थी। कार्यक्रम के दौरान अभिनवगुप्त संस्थान की कोआर्डिनेटर डा भुवनेश्वरी भारद्वाज ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भित्ति-चित्र की संरचना और स्वरूप पर प्रकाश डाला। काश्मीर शैवतन्त्रागम, नाट्यशास्त्र, संगीत शास्त्र तथा स्वतंत्र कलाशास्त्र के अनन्य आचार्य के रूप में अभिनवगुप्त को बीसवीं शताब्दी में ऐतिहासिक अन्धकार से बाहर निकालकर पुनराविष्कृत करने का श्रेय प्रो कान्ति चन्द्र पाण्डेय को प्राप्त है। इस अवसर पर सोनी ने बताया कि अभिनव गुप्त का दर्शन परलोक और जगत दोनों को महत्व देता है तथा पारमार्थिक के साथ ही साथ लौकिक उपलब्धियों के समन्वय पर भी बल देता है।

**AMRIT VICHAR PAGE 5**

## लविवि में आज से फिर शुरू होगी प्रवेश प्रक्रिया

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लविवि में दिवाली के बाद एक बार फिर से शुक्रवार से पीजी प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। पीजी प्रवेश प्रक्रिया के तहत 11 विषयों में पहली मेरिट सूची से चयनित अभ्यर्थियों को 28 और 29 अक्टूबर को अभिलेख सत्यापन कराना होगा।

लविवि के प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि एमकॉम एप्लाइड इकोनॉमिक्स, एमएससी बॉटनी- माइक्रोबायोलॉजी, एमकॉम कामर्स, एमए इकोनॉमिक्स, एजुकेशन, अंग्रेजी, होम साइंस, मास कम्पयूनिकेशन, समाज शास्त्र, एलएलबी, एमए-एमएससी स्टैटिस्टिक्स-बायोस्टैटिस्टिक्स के चयनित अभ्यर्थियों को अपने प्रोविजनल एलॉटमेंट लेटर के साथ संबंधित विभाग में अपने सभी मूल प्रमाण पत्र, अंकपत्र का सत्यापन 28 और 29 अक्टूबर को कराना होगा।

**एक नवंबर से शुरू होंगी एमएससी की कक्षाएं**

लविवि की रसायन शास्त्र विभाग में एमएससी कक्षाएं एक नवंबर से शुरू होंगी। रसायन शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2022-23 के प्रथम सेमेस्टर की एमएससी रसायनशास्त्र की कक्षाएं एक नवंबर से शुरू होंगी।

**RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5**

## लविवि में पीजी में दाखिले के लिए आज से अभिलेखों का सत्यापन

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय की पीजी प्रवेश प्रक्रिया के अन्तर्गत 11 कोर्स के चयनित अभ्यर्थियों का अभिलेख सत्यापन 28 और 29 अक्टूबर को होगा।

एमकॉम एप्लाइड इकोनॉमिक्स, एमएससी वाटनी-माइक्रोवायोलॉजी, एमए-एमएससी स्टैटिस्टिक्स- वायोस्टैटिस्टिक्स, एमकॉम कामर्स, एलएलवी समेत एमए इकोनॉमिक्स, एजुकेशन, अंग्रेजी, होम साइंस, जर्नलिस्म एण्ड मास कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र विषयों में जिन अभ्यर्थियों का प्रोविजनल सीट आवंटन पत्र जारी हो गया है और प्रवेश शुल्क जमा करने दिया है। उनको अपने सम्वंधित विषय के विभाग में अपने प्रमाण पत्रों, अंकपत्रों की जांच विभागाध्यक्ष कार्यालय में करानी होगी।

अभ्यर्थियों को अपने साथ आवंटन पत्र, शुल्क रसीद, आवेदन फार्म, कक्षा से स्नातक तक के अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र, फोटो पहचान पत्र, आय प्रमाण पत्र, माइग्रेशन, गैप सर्टिफिकेट, जाति प्रमाण पत्र तथा आय एवं ईडब्लूएस प्रमाण पत्र लाना होगा।

**AMRIT VICHAR PAGE 5**

# लविवि में अभिनवगुप्त म्यूरल वॉल का अनावरण

अमृत विचार संवाददाता

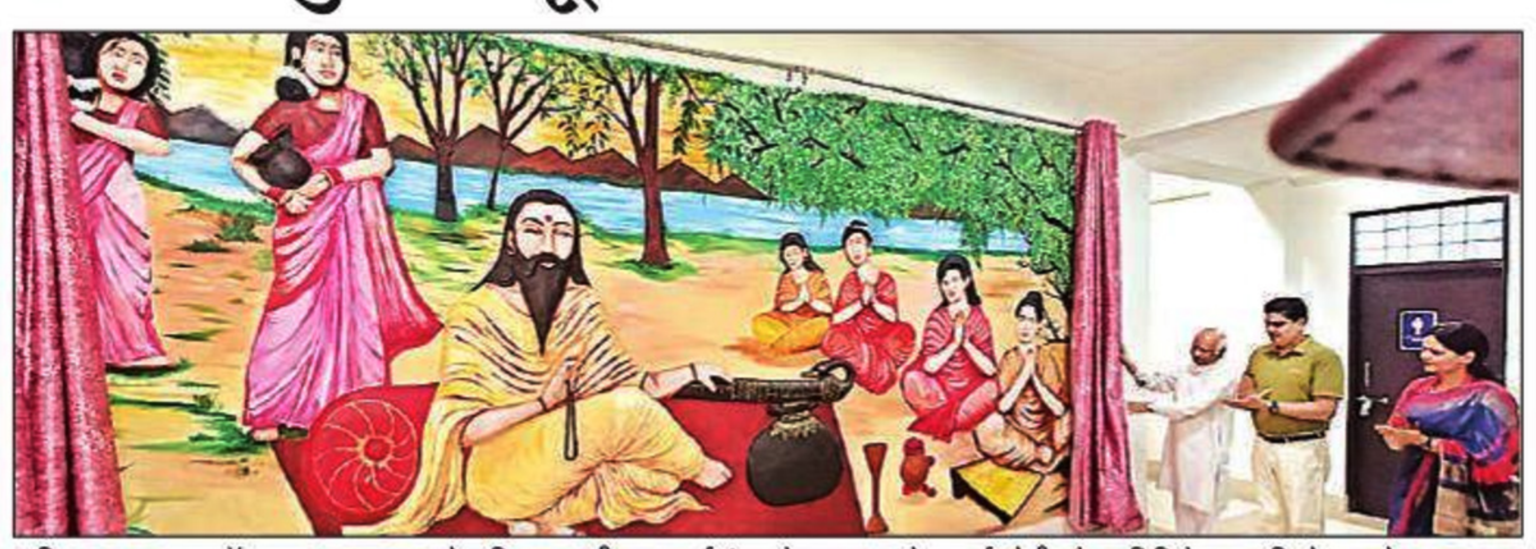

अभिनवगुप्त म्यूरल वॉल का अनावरण करते अखिल भारतीय परामर्श मंडल के सदस्य सुरेश भाई सोनी और लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार।

लखनऊ। लविवि में अभिनवगुप्त म्यूरल वॉल का अनावरण अखिल भारतीय परामर्श मंडल के सदस्य सुरेश भाई सोनी और लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। इस अवसर पर अभिनवगुप्त संस्थान की कोआर्डिनेटर डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भित्ति-चित्र की संरचना और स्वरूप पर प्रकाश डाला।

गुरुवार को अभिनवगुप्त फैकल्टी ऑफ एस्थेटिक्स एंड शैव फिलासफी भवन में अनावरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोआर्डिनेटर भुवनेश्वरी भारद्वाज ने कहा कि अभिनवगुप्त संस्थान की स्थापना लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कांति चन्द्र पाण्डेय द्वारा यूजीसी के सेन्टर आफ एडवांस्ड स्टडी के रूप में 5 अगस्त 1968 को किया गया था। उन्होंने बताया कि कश्मीर शैवतन्त्रागम, नाट्यशास्त्र, संगीत शास्त्र और स्वतंत्र कला शास्त्र के अनन्य आचार्य के रूप में अभिनवगुप्त को बीसवीं शताब्दी में ऐतिहासिक अंधकार से बाहर निकालकर पुनराविष्कृत करने का श्रेय प्रो. कान्ति चन्द्र पाण्डेय को प्राप्त है।

उन्होंने बताया कि अभिनवगुप्त का दर्शन परलोक और जगत दोनों को महत्व देता है, पारमार्थिक के साथ लौकिक उपलब्धियों के समन्वय पर भी बल देता है। इस अवसर पर अभिनवगुप्त संस्थान की कोआर्डिनेटर डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज, प्रो. राकेश चन्द्रा, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. राकेश द्विवेदी, डॉ. केया पांडे, डॉ. ओ. पी. शुक्ला, प्रो. संगीता साहू, डॉ. राजेश्वर प्रसाद यादव, डॉ. अलका मिश्रा और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

**VOICE OF LUCKNOW PAGE 5**

# लविवि में अभिनव गुप्त म्यूरल वॉल का अनावरण

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

● अभिनवगुप्त का दर्शन परलोक व जगत दोनों के लिए महत्व : सुरेश सोनी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनवगुप्त फैकल्टी ऑफ ऐस्थेटिक्स एंड शैव फिलासफी भवन में गुरुवार को अभिनवगुप्त म्यूरल वॉल का अनावरण अखिल भारतीय परामर्श मण्डल के सदस्य सुरेश भाई सोनी और कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया।

अभिनवगुप्त संस्थान की स्थापना लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. कांति चंद्र पाण्डेय द्वारा यूजीसी के सेंटर आफ एडवांस्ड स्टडी के रूप में 05 अगस्त 1968 को की गयी थी। अभिनवगुप्त संस्थान की कोआर्डिनेटर डा. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भित्ति-चित्र की संरचना और स्वरूप पर प्रकाश डाला। कश्मीर शैवतंत्रागम, नाट्यशास्त्र, संगीत शास्त्र तथा स्वतंत्र कलाशास्त्र के अनन्य आचार्य के रूप में अभिनवगुप्त को बीसवीं शताब्दी में ऐतिहासिक अंधकार से बाहर निकालकर पुनराविष्कृत करने का श्रेय प्रो. कांति चन्द्र पाण्डेय को मिला है। इस अवसर पर सुरेश सोनी ने बताया कि अभिनवगुप्त का दर्शन परलोक और जगत दोनों को महत्व देता है तथा पारमार्थिक के साथ ही साथ लौकिक उपलब्धियों के समन्वय पर भी बल देता है। वैदिक मंत्रोच्चारण और पुष्पवर्षा के बीच सुरेश सोनी और कुलपति ने म्यूरल वाल का अनावरण किया।

इस अवसर पर अभिनवगुप्त संस्थान की कोआर्डिनेटर डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज, प्रो. राकेश चन्द्रा, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. राकेश द्विवेदी, डॉ. केया पांडे, डॉ. ओपी शुक्ला, प्रो. संगीता साहू, डॉ. राजेश्वर प्रसाद यादव, डॉ. अलका मिश्रा और बड़ी संख्या में छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

**TOI PAGE 3**

# Mega placement drive for LU students in Nov

Times News Network

**Lucknow:** The Lucknow University (LU) will conduct a mega campus placement drive for its undergraduate students next month.

Students of all streams--arts, science, commerce and engineering--can take part in the drive. Besides jobs, students will also get paid internship opportunities during the drive.

"A number of leading companies from different sectors will come to the campus in the first week of November for placements. Besides companies from banking, marketing and IT sectors, several firms seeking Urdu graduates will visit the campus for the drive," said LU placement cell director Madhurima Lal.

She further said a company offering paid internships of Rs 5,000 and Rs 8000 will take students as trainees.

"The focus is that our students enrolled in both professional and nonprofessional courses get a decent pay package," she added.

"Various shipping companies with merchant navy jobs will also come to campus, for which eligible candidates can register till November 5. They will offer an annual package of over Rs 10 lakh," she said.

**TARUNMITRA PAGE 12**

## लविवि में किया अभिनवगुप्त म्यूरल वॉल का अनावरण

लखनऊ, 27 अक्टूबर (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनवगुप्त फैकल्टी ऑफ ऐस्थेटिक्स एण्ड शैव फिलासफी भवन में गुरूवार को अभिनवगुप्त म्यूरल वॉल का अनावरण सुरेश भाई सोनी (सदस्य,अखिल भारतीय परामर्श मण्डल) तथा लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा किया गया। अभिनवगुप्त संस्थान की स्थापना लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो.कान्ति चन्द्र पाण्डेय ने यूजीसी के सेन्टर आफ एडवांस्ड स्टडी के रूप में 5 अगस्त 1968 को की थी। अभिनवगुप्त संस्थान की कोआर्डिनेटर डा. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भित्ति-चित्र की संरचना और स्वरूप पर प्रकाश डाला।काश्मीर शैवतन्त्रागम, नाट्यशास्त्र, संगीत शास्त्र तथा स्वतंत्रकलाशास्त्र के अनन्य आचार्य के रूप में अभिनवगुप्त को बीसवीं शताब्दी में ऐतिहासिक अन्धकार से बाहर निकालकर पुनराविष्कृत करने का श्रेय प्रो.कान्ति चन्द्र पाण्डेय को प्राप्त है।इस अवसर पर सोनी ने बताया कि अभिनवगुप्त का दर्शन परलोक और जगत दोनों को महत्व देता है तथा पारमार्थिक के साथ ही साथ लौकिक उपलब्धियों के समन्वय पर भी बल देता है। वैदिक मंत्रोच्चारण और पुष्पवर्षा के बीच सुरेश सोनी तथा कुलपति ने म्यूरल वाल का अनावरण किया।इस अवसर पर अभिनवगुप्त संस्थान की कोआर्डिनेटर डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज, प्रो. राकेश चन्द्रा, प्रो. पूनम टण्डन, प्रो. राकेश द्विवेदी, डॉ केया पांडे, डॉ. ओपी शुक्ला, प्रो. संगीता साहू, डॉ. राजेश्वर प्रसाद यादव, डॉ. अलका मिश्रा, तथा बड़ी संख्या में छात्र- छात्राएँ उपस्थित रहे।